[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7376 **J**

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : SANSKRIT LITERATURE: KATHA-KAVYA, DSC

Name of the Course : **B.A. (P) WITH SANSKRIT, NEP UGCF 2022**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए: **3 x 6 = 18**

Translate any three of the following paragraphs/stanzas:

शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्यं मधुरता कुले जन्म ।

न विराजन्ति हि सर्वे वित्तविहीनस्य पुरुषस्य॥

अथवा/or

पतति कदाचिन्नभस: खाते पातालतोऽपि जलमेति।

दैवमचिन्त्य बलवद् बलवानन्नु पुरुषाकारोऽपि॥

अथवा/or

मरुस्थल्यां यथा वृष्टि: क्षुधार्ते भोजनं यथा।
दरिद्रे दीयते दानं सफलं पाण्डुनन्दन॥

अथवा/or

कस्मिंश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रभावमुपगता वसन्ति स्म। तेषां त्रयः शास्त्रपारङ्गताः परन्तु बुद्धिरहिताः। एकस्तु बुद्धिमान्, केवलं शास्त्रपराङ्मुखः। अथ तैः कदाचिन्मिमित्रैर्मन्त्रितं - "को गुणो विद्याया येन देशाऽन्तरं गत्वा भूपतीन् परितोष्याऽर्थोपार्जना न क्रियते। तत्पूर्वदेशंगच्छामः।

अथवा/or

अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे पाटलीपुत्रं नाम नगरम्। तत्र मणिभद्रो नाम श्रेष्ठी प्रतिवसति स्म। तस्य च धर्मार्थिकाममोक्षकर्माणि कुर्वतो विधिवशात् धनक्षयः सञ्जातः। ततो विभवक्षयादपमानपरम्परया परं विषादं गतः। अथाऽन्यदा, रात्रौ सुप्तश्चिन्तितवान् - अहो ! धिगियं दरिद्रता।

अथवा/or

P.T.O.

कस्मिश्चिदधिष्ठाने चत्वारो, ब्राह्मणा: परस्परं मित्रत्वमापन्ना वसन्ति स्म। बालभावे तेषां मतिरजायत- भो! देशान्तरं गत्वा विद्याया उपार्जनं क्रियते। अथान्यस्मिन्दिवसे ते ब्राह्मणाः परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जे गताः। तत्र च विद्या मठे गत्वा पठन्ति।

2.निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18

Explain any two of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।
अतीत्य हि गुणान्सर्वान्स्वभावो मूध्नि वर्तते।।

अथवा/or

दुराधिगमः परभागो यावत्पुरुषेण साहसं न कृतम्।
जयति तुलामधिरूढो भास्वानिह जलदपटलानि॥

अथवा/or

वरं बुद्धिर्न सा विद्या इति भवतोक्तं, तत्रेयं मे मतिर्यत् – न एकान्तेन बुद्धिरपि प्रमाणम्।

अथवा/or

भगवन् - वेदाम्यहं युष्मद् धर्मम्। परं भवतो बहवः श्रावका: आह्वयन्ति। साम्प्रतम् पुनः पुस्तकाच्छादनयोग्यानि कर्पटानि बहुमूल्यानि प्रगुणीकृतानि। तथा पुस्ताकानां लेखनाय लेखकानाञ्च वित्त संचितमास्ते। तत्सर्वथा कालोचितं कार्यम्।

3.निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9

Explain any one of the following Verses in Sanskrit:

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अथवा/or

महान्त एव महतामर्थं साधयितुं क्षमाः।
ऋते समुद्रादन्यः को को बिभर्ति वडवानलम्॥

4.निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 18 = 36

Answer any two of the following questions:

(i) संस्कृत साहित्य में वर्णित जंतुकथाओं पर लेख लिखिए।
Write a note on fables(Jantu katha)in Sanskrit literature.

(ii) संस्कृत साहित्य में कथा साहित्य के विकास का वर्णन कीजिए।
Discuss the development of Katha-Sahitya in Sanskrit Literature.

(iii) ब्राह्मणी नकुल कथा का सार शिक्षासहित लिखिए।
Write the summary of Brahmani nakul Katha with its Teaching.

(iv) वृद्ध व्याघ्र लुब्ध विप्र कथा का सार शिक्षासहित लिखिए
Write the summary of Vriddh vyaghra – Lubdha vipra Katha with its Teaching.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 x 4.5= 9

Write short notes on any two of the following:

कथासरित्सागर , बृहतकथा, हितोपदेश , वेतालपञ्चविंशतिका, पुरुषपरीक्षा
Kathasaritsagar , Brihatkatha, Hitopadesh, Vetalpanchavimshika, Purushpariksha.